generated in a year from solar power;

(b) whether vertical panels for generating solar energy are available in India;

(c) if so, where, and

(d) the steps being taken to encourage solar energy generation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI S. KRISHNA KUMAR):

(a) Solar energy can be utilised mainly through two routes—the thermal route is which the heat of the solar radiation is used and the photovoltaic route in which sun light is used to generate electricity. An aggregate area of 4 lakh sq. meters of solar collectors have been installed in the country for thermal applications such as water heating, drying cooking etc. The thermal energy generated from these devices is assessed at over 250 million kwh per year. In addition, solar photovoltaic systems with an aggregate capacity of 12 MW have been installed for applications such as lighting, water pumping, communications, etc. These systems are capable of generating 18 million kwh of electricity per year.

(b) and (c) Flat-plate panels for both photovoltaic and thermal generation are manufactured in the country by public sector enterprises viz., Bharat Heavy Electricals Ltd. Central Electrtonics Ltd., and Rajasthan Electricals & Instruments Ltd., as well as by serveral companies in the private sector. The Panels are normally mounted at a inclination so as to capture the maximum possible solar radiation.

(d) A number of fiscal and other incentives are available for the manufacture and use of solar energy devices. Among these are 100% depreciation for income tax purposes, exemption from excise duty, concessional rates of Customs duties and soft loans. In addition, a subsidy is also available for some solar energy applications.

दिल्ली में आयुर्वेदिक कॉलेज

*80. **प्रो० राम बख्श सिंह वर्मा:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली राज्य में कितने आयुर्वेदिक कॉलेज हैं और किन-किन आयुर्वेदिक कालेजों में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं;

(ख) क्या आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कालेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इस संबंध में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक;

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कालेज, करोल बाग, नई दिल्ली को अपने अधिकार में लेने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो कब तक?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा): (क) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज ही एक मात्र कालेज है जहां पर आयुर्वेद और यूनानी दोनों चिकित्सा पद्धतियों में स्नातक स्तर पर शिक्षा प्रदान की जाती है। इनकी अवधि साढ़े पांच वर्ष है और इस अवधि के बाद आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धतियों में क्रमशः बेचुलर आॅफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी ए एम एस) तथा बेचुलर आॅफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बी यू एम एस) डिग्रियां प्रदान की जाती हैं।

(ख) इस कालेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम नहीं चलाया जाता है।

(ग) से (ङ) जी, नहीं।